हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आन्दोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email Id: prakharpurvanchal@gmail.com

वाराणसी, चन्दौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, इलाहाबाद तथा गोरखपुर से प्रसारित

वर्ष ७ अंक १५३ पृष्ठ ४, मूल्य ३.००, आमंत्रण मूल्य २.०० २५ नवम्बर २०२२ दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

सत्ता में आने के लिए फूट डालकर राज करती है कांग्रेस– पीएम

यह बात पीएम ने गुजरात में चुनावी जनसभा के दौरान कही

प्रखर एजेंसी। सत्ता में आने के लिए फूट डालकर राज करती है कांग्रेस यह बात पीएम ने चुनावी जनसभा में कही। बतादे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि यह वक्त लोगों को मुफ्त बिजली देने के बजाए बिजली से आय करने का है, मोदी ने कांग्रेस व आप के गुजरात चुनाव में मुफ्त बिजली देने के वादे पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह चुनाव 5 साल नहीं बल्कि गुजरात के 25 साल बाद की तस्वीर कैसी हो उसके लिए है। गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान उत्तर गुजरात में अरवल्ली जिले के मोडासा एवं गांधीनगर जिले के दहगाम में आयोजित सभा में मोदी ने कहा कि बिजली से लोग कैसे धन अर्जित कर सकते हैं इसकी कला केवल उनके पास है। उन्होंने सत्ता में आने के लिए कांग्रेस के फूट डालो और राज करो की नीति की कड़ी आलोचना की। कांग्रेस व आम आदमी पार्टी ने गुजरात में 27 साल से शासन कर रही भाजपा को हटाकर सत्ता में आने केलिए लोगों से मुफ्त बिजली देने का वादा किया है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस भी आप की तरह अपने चुनावी घोषणा पत्र में ऐसे वादे कर रही है। मोदी ने कहा कि समूचे गुजरात में लोग मुफ्त बिजली पाने की आस लगाने के बजाए सोलर रुफ टॉप प्रोजेक्ट से बिजली का उत्पादन कर पैसा कमा रहे हैं। मोदी ने यह भी बताया कि मेहसाणा जिले का मोढेरा गांव कैसे रुफ टॉप सोलर पैनल के जरिए अपने जरुरत की बिजली पैदा कर रहा है और अतिरिक्त बिजली बेचकर पैसा कमा रहा है, यह मॉडल पूरे गुजरात में लागू करना है। मोदी ने कहा कि अब इस गांव की महिलाएं फ्रीज, एयर कंडीशन खरीदने की योजनाएं बना रही हैं चूंकि अब वे बिजली का खर्च वहन कर सकती हैं। मोदी ने कहा किसान भी अब अपने खेतों पर सौर ऊर्जा के जरिए बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी नेकहा कि पडौसी राज्य राजस्थान में कोई विकास दिखता है क्या, वहां से विकास से जुडी कोई अच्छी खबर आती है क्या। गौरतलब है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुजरात चुनाव में राजस्थान मॉडल को गुजरात मॉडल से बेहतर बता रहे हैं ऐसे में मोदी ने राजस्थान मॉडल पर ही सवाल उठा दिये। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 का पडाव एक अहम कालखंड था अब अगले 25 साल अम्रतकाल हैं तथा गुजरात को 25 साल बाद कैसा बनाना है उसके लिए यह चुनाव है। भारत आज दुनिया में पांचवीं बडी आर्थिक महासत्ता बन गया। 2014 में जब गुजरात के लोगों ने उन्हें दिल्ली भेजा था तब भारत आर्थिक मामलों में 10वें स्थान पर था।

मोदी ने कहा कि जब वे पहली बार मुख्यमंत्री बने तब गुजरात के लोगों ने उनसे शाम को बिजली की व्यवस्था करने की अपील की थी, गुजरात में सतत 24 घंटे बिजली मिल रही है। कांग्रेस राज में पानी के टेंकर चलते थे लेकिन आज घर घर नल से नर्मदा का नीर पहुंच रहा है। गांधीनगर आज शिक्षा का हब बन गया है, गुजरात के गांवों में शहरों जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। गांधीनगर व दहगाम ट्वीन सिटी के रूप में विकसित होंगी। फुटपाथ पर रेहडी लगाने वाले, छोटे दुकानदार, सब्जी, फ्रूट, दूध, अखबार बेचने वालों को बिना गारंटी, ब्याज मुक्त ऋण मिल रहा है। पहले इन लोगों को साहूकार के शोषण का शिकार होना पड़ता था। चुनावी माहौल हो और प्रधानमंत्री मोदी घर घर तक अपनी बात व संदेश ना पहुंचाएं ऐसा नहीं हो सकता। दहगाम की सभा में मौजूद कार्यकर्ताओं से मोदी ने कहा कि इस चुनाव में आप लोग घर घर जाना और बुजूर्गों को मेरा प्रणाम कहना। उनके आशीर्वाद से मुझे ऊर्जा मिलेगी जो मुझे देश के लिए काम करने की शक्ति प्रदान करती है।

आयुष कॉलेज प्रवेश घोटाला! कार्यवाहक निदेशक समेत नौ आरोपी रिमांड पर

आयुष मंत्रालय
Ministry of Ayush

प्रखर एजेन्सी। विशेष सीजेएम साक्षी गर्ग ने नीट–यूजी की मेरिट को दरकिनार कर अपात्र अभ्यर्थियों को आयुष कॉलेजों में प्रवेश देने के मामले में निरुद्ध आयुर्वेद सेवाओं के निलम्बित कार्यवाहक निदेशक प्रो. सत्य नारायण सिंह व निलम्बित प्रभारी अधिकारी डॉ. उमाकान्त समेत नौ अभियुक्तों को तीन दिन के लिए पुलिस कस्टडी रिमांड पर भेज दिया है. कोर्ट ने यह आदेश मामले के विवेचक व एसटीएफ निरीक्षक अतुल कुमार सिंह के प्रार्थना पत्र को मंजूर करते हुए दिया है. बतादे कि आयुष कॉलेजों में प्रवेश देने के मामले में निरुद्ध आयुर्वेद सेवाओं के निलम्बित कार्यवाहक निदेशक प्रो. सत्य नारायण सिंह व निलम्बित प्रभारी अधिकारी डॉ. उमाकान्त समेत नौ अभियुक्तों हर्ष वर्धन तिवारी उर्फ सोनल, सौरभ मौर्य, इंद्रदेव मिश्रा, रुपेश रंजन पांडेय, कुलदीप सिंह वर्मा, कैलाश चंद्र भाष्कर व राजेश सिंह को भी जेल से लाकर अदालत में पेश किया गया. सभी नौ अभियुक्तों की कस्टडी रिमांड की अवधि 23 नवंबर की सुबह 11 बजे से शुरू होकर 26 नवंबर को दिन में 11 बजे समाप्त होगी. सहायक अभियोजन अधिकारी अतीक अहमद खान ने दलील दी कि अभियुक्त कुलदीप सिंह वर्मा द्वारा सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों को दिए गए नगद व उपहार का साक्ष्य मिल गया है.लिहाजा इस संदर्भ में गहन पूछताछ व बरामदगी करनी है. कुलदीप से अन्य अभियुक्तों का आमना–सामना कराना है. कुलदीप व उसके साथ सॉफ्टवेयर की कूटरचना में शामिल अन्य अभियुक्तों से यह जानकारी भी हासिल की जानी है कि किस प्रकार, कहां और कैसे कूटरचना की गई. जिन अभ्यर्थियों के डाटा में कूटरचना की गई, उनका नीट का वास्तविक डाटा बरामद कराना है. कहा गया कि इसके अलावा ऐसे अभ्यर्थी जो नीट की परीक्षा में शामिल नहीं हुए, लेकिन काउंसिलिंग में प्रतिभाग करा के उन्हें प्रवेश दिलाया गया, उनका भी पता लगाना है. अदालत ने प्रार्थना पत्र को मंजूर करते हुए पुलिस कस्टडी रिमांड दिया है।

2024 की लोकसभा कन्नौज से लड़ेंगे विधायक अखिलेश

प्रखर एजेन्सी। नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन से रिक्त हुई मैनपुरी लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और यादव परिवार ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. इसी क्रम में गुरुवार को कन्नौज पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इशारों ही इशारों में 2024 का प्लान भी बता दिया. अखिलेश यादव ने संकेतों में कह दिया कि वे 2024 के लोकसभा चुनाव में कन्नौज लोकसभा सीट से मैदान में उतरेंगे. कन्नौज के पूर्व चेयरमैन के बेटे के तिलकोत्सव में शिरकत करने पहुंचे पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में संकेत दिया कि वे 2024 में लोकसभा का चुनाव कन्नौज से ही लड़ेंगे. अखिलेश यादव से जब डिंपल यादव के मैनपुरी से उपचुनाव लड़ने पर सवाल पूछा गया तो अखिलेश ने कहा, " 2024 में भी है चुनाव. हम खाली बैठकर क्या करेंगे? हमारा काम ही चुनाव लड़ना है. चुनाव लड़ेंगे यहां पर, जहां पहला चुनाव लड़े हैं. वहीं से चुनाव लड़ेंगे। "

113 साल से एलआईसी का था बिल्डिंग पर कब्जा, 5 करोड़ जुर्माने के साथ करना होगा खाली!

प्रखर कानपुर। कानपुर एलआईसी को मॉल रोड पर स्थित बिल्डिंग का कब्जा खाली करना पड़ेगा. 113 साल पहले केंद्र सरकार से ली गई जमीन पर मौजूदा समय में होटल समेत कई अन्य प्रतिष्ठान भी हैं, जिसे अब खाली करना होगा. इतना ही नहीं कोर्ट ने लीज रेट का करीब 5 करोड़ बकाए का भुगतान करने का निर्देश दिया. कोर्ट ने एक हफ्ते में कब्जे को खली करने का आदेश दिया है. कोर्ट के इस आदेश के बाद से एलआईसी में हड़कंप मचा हुआ है. कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं है. दरअसल, 1910 में एलआईसी ने केंद्र सरकार से रक्षा सम्पदा की जमीन को 99 साल के लीज पर लिया था. जिसके बाद एलआईसी ने यहां अवैध रूप से कब्जा जमाते हुए तमाम प्रतिष्ठानों जैसे ओरियंट होटल, ड्यूक एंड कंपनी, रीता फूड्स, व नार्दन मोटर को बसा दिया था. अब कोर्ट के आदेश के बाद इस सरकारी जमीन को खाली करना होगा. इस मामले में कोर्ट में एलआईसी की तरफ से तीन अपील दायर की गई थी. सुनवाई के बाद कोर्ट ने तीनों अपील खारिज करते हुए एक सप्ताह के भीतर एलआईसी को जगह का कब्जा खाली कराकर केंद्र सरकार को सौंपने का आदेश दिया है. साथ ही साथ एलआईसी को लीज का रेंट भी अदा करने का आदेश दिया है. कोर्ट के इस फैसले के बाद से एलआईसी ऑफिस में हड़कंप मचा है. इस पूरे मामले पर फिलहाल कोई भी कुछ भी बोलने से बचता नजर आ रहा है. फिलहाल बिल्डिंग पर कोर्ट का नोटिस चस्पा कर दी गई है।

ट्रेन से दोनों पैर कटे फौजी की इलाज के दौरान मौत, टीटीई ने दिया था धक्का

प्रखर बरेली। 17 नवंबर को सेना के जवान को चलती ट्रेन से टीटीई कुपन बोरे ने धक्का मार दिया था. इसकी वजह से उसके दोनों पैर कट गये थे. इलाज के दौरान गुरुवार को फौजी सोनू सिंह की मौत हो गयी. आरोप है टीटीई कुपन बोरे के धक्का देने से फौजी सोनू सिंह गिर गया था. यात्रियों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रुकवाकर हंगामा काटा था. इसी बीच आरोपी टीटीई मौके से भाग निकला था. घटना के बाद पहुंचे सेना के अधिकारियों ने फौजी को इलाज के लिए मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया था. उसके बाद से फौजी को बुधवार तक होश नहीं आया था.हालत बिगड़ने पर सोमवार को कुचले हुए पैर को भी काटना पड़ा था. इधर सेना की ओर से दी गई तहरीर पर पुलिस ने 307 के तहत मुकदमा दर्ज कर टीटीई की तलाश शुरू कर दी थी. मगर अब तक टीटीई को पकड़ नहीं सकी है. बरेली में फौजी की मौत पर राजकीय रेलवे पुलिस के थाना अध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह ने कहा कि आरोपी ज्ज्म के खिलाफ हत्या के प्रयास के आरोप में भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था. उसकी तलाश की जा रही है.

मैजिक बाइक में आमने–सामने टक्कर, मौत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के खरका गांव के सामने मैजिक व बाइक की आमने सामने की हुई टक्कर में बाइक सवार की घटना स्थल पर मौत हो गई। दुर्घटना इतनी जबर्दस्त थी कि बाइक के बाइक के परखचे उड़ गए । जानकारी के अनुसार बिंदा गांव निवासी जटाशंकर चौहान (24 वर्ष) गुरुवार अपराह्न में भदोही में अपने बहन के यहाँ आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकला था। खरका (कठिराव) के समीप सामने से पुआल लादकर आ रही एक मैजिक ने टक्कर मार दी । टक्कर इतनी जबरदस्त रही कि युवक गेंद की तरह हवा में उछल गया। जिसके कारण युवक का सिर फट गया और हाथ पैर टूट गए। घायल युवक को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिण्डरा लाया गया जहां डॉक्टरों ने बाइक सवार युवक को मृत घोषित कर दिया।जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही सूचना पर मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार वालों का रो–रो कर बुरा हाल था। मृतक अविवाहित था। छ भाइयों में सबसे छोटा था। वही फूलपुर पुलिस सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर मैजिक को कब्जे में ले लिया।

आयुष और योगा समूचे विश्व मे है देश की पहचान– दयाशंकर मिश्र

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राज्य आयुष मिशन के तत्वाधान में औषधीय पौध उत्पादन एवं निर्यात के सम्बन्ध में एक दिवसीय वायर सेलर मीट कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में होटल नन्द रेसीडेंसी गाजीपुर में मुख्य अतिथि आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु जी द्वारा दीप प्रज्जलित कर शुभारम्भ किया गया। मा० आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु ' ने कहा कि आयुष एवं योगा से विश्वभर में भारत की पहचान हुई है तथा औषधीय फसलों के उत्पादन करने से किसान अपनी आय में अनन्त सीमा तक वृद्धि कर सकते है। मंत्री जी द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत प्याज बीज का वितरण कृषकों के मध्य किया गया। अन्त में कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन एस०के० सुमन सचिव, हाफेड द्वारा किया गया। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने औषधीय पौधों की उपयोगिता एवं मूल्य संवर्धन के बारे में जानकारी दी तथा कहा कि औषधीय फसलों को क्रियान्वयन कर विभाग की योजना का लाभ लेकर कृषक अपनी आय में दो से तीन गुनी वृद्धि कर सकते हैं।डा० आर०सी० वर्मा कृषि विज्ञान केन्द्र, आंकुशपुर द्वारा औषधीय फसलों यथा–सतावर, अश्वगंधा, सर्पगन्धा, तुलसी, ऐलोवेरा, कालमेघ आदि फसलों के वैज्ञानिक उत्पादन तकनीकी के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। श्री संजय सिंह, सदस्य निदेशक संचालक मण्डल, हाफेड के द्वारा हाफेड का परिचय एवं महत्व के बारे में प्रकाश डाला। सुश्री मीना शुक्ला, औषधीय उत्पादक एवं क्रय विक्रय महिला कृषक की सफलता की कहानी प्रस्तुत की। जिला उद्यान अधिकारी, गाजीपुर द्वारा आये हुए अतिथियों का स्वागत एवं राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के बारे में विस्तारपूर्वक से अवगत कराया गया। श्री रंगबहादुर सिंह, प्रगतिशील औषधीय कृषक ने औषधीय फसलों के उत्पादन एवं उसकी उपयोगिता तथा राष्ट्रपति डा० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम द्वारा सम्मानित किये जाने के बारे में अवगत कराया । उप कृषि निदेशक, गाजीपुर द्वारा आयुष मिशन योजना के बारे में विस्तारपूर्वक एवं निर्यात के सम्बन्ध चर्चा की गई। उप निदेशक विपणन द्वारा अवगत कराया गया कि एपीडा के माध्यम से औषधीय फसलों के निर्यात विदेश में किये जाने पर चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि एफ०पी०ओ० के माध्यम से औषधीय फसलों के उत्पादन एवं निर्यात कृषकों के मध्य कराई जाए।

डीएम ने निर्माणाधीन सेतु कलीचाबाद का किया निरीक्षण

निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी रू मनीष कुमार वर्मा

प्रखर जौनपुर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा निर्माणाधीन गोमती सेतु कलीचाबाद का निरीक्षण कर निर्माण कार्य के प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण में उन्होंने पाया कि पिलर बनाने का कार्य चल रहा था। उन्होंने सहायक अभियंता सेतु निर्माण खंड इकाई ए.के सिंह को निर्देशित किया कि मजदूरों की संख्या बढ़ाते हुए प्रत्येक दशा में कार्य दिसंबर 2023 तक पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि जो भी मटेरियल प्रयोग किए जा रहे हैं अच्छी गुणवत्ता के रहें। अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया कि एप्रोच मार्ग के चौड़ीकरण का प्रस्ताव शासन को भेजा जाए। इस अवसर पर अवर अभियंता लालचन्द्र सहित अन्य उपस्थित रहे।

भारत का हृदय प्रदेश और दो–दो यात्राओं का संदेश! –ऋतुपर्ण दवे

सियासत के न जाने कितने रंग और रूप होते हैं, शायद सियासतदारों को भी न पता हो। शह और मात का खेल शतरंज में होता जरूर है लेकिन मौजूदा दौर में तो वह सियासत पर परवान चढ़ाता चाहे जब और जहां दिख जाता है। इन दिनों देश में गुजरात और हिमाचल के विधानसभा चुनाव के साथ दिल्ली महानगर पालिका चुनावों की पूरे देश में भले ही चर्चा हो रही हो लेकिन एक राज्य ऐसा भी है जहां विधानसभा चुनाव को पूरे वर्ष भर बांकी हैं लेकिन राजनीतिक सरगर्मियां कुछ ऐसी हैं कि पूछिये मत। चुनावी समर में भाजपा और कांग्रेस किसी भी तरह की जोर आजमाइश में एक दूसरे से पीछे नहीं है। राष्ट्रपति का दौरा, प्रधानमंत्री का महीने भर के अन्तराल में दो बार दौरा, केन्द्रीय गृह मंत्री का दौरा और अब सरकार की गौरव यात्रा तो राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के पहुंचने के मायने बेहद खास हैं। कहने की जरूरत नहीं कि बात मध्यप्रदेश की हो रही है। अगले वर्ष यानी 2023 में ठीक इन्हीं दिनों देश का दिल कहें या भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश चुनावी कोलाहल की उफान में डूबा हुआ होगा। ऊंट किस करवट बैठेगा इसको लेकर कोई ठोस दावा भी होता नहीं दिख रहा है। 2018 के चुनाव में थोड़े से अंतराल से पिछड़ने के बाद बहुमत से पिछड़ी भाजपा को दोबारा सत्ता में आने खातिर जिस तरह से नाटकीय घटनाक्रम हुए जिसमें कांग्रेस विधायकों का थोक इस्तीफा, दलबदल और उप–चुनाव में पसीना बहाकर बहुमत हासिल करना पड़ा, वैसी नौबत ही न आए सारी कवायद बस इतनी है। मतदाताओं को साधने की कवायद में भाजपा तेजी से सक्रिय है। किसी न किसी बहाने लोगों तक पहुंच रही है उस मुकाबले कांग्रेस बहुत पीछे है। राहुल गांधी की पदयात्रा कांग्रेस को कितनी संजीवनी दे पाएगी यह वक्त बताएगा। लेकिन जो दिखता है और लोग मानते भी हैं कि जिस आत्मविश्वास, उत्साह, इशारे और संगठानात्मक मजबूती के साथ शिवराज सिंह चौहान के तेवर बदले हुए हैं वो बताते हैं कि वो पांचवीं बार भी प्रदेश की कमान संभालने की जुगत में अभी से जुट गए हैं। तमाम सभाओं में आला अधिकारियों को फटकारना, निलंबित करना, अपराधियों विशेषकर बलात्कारियों या सूदखोरों के घर ढ़हा देने के फैसलों से भी एक नई हवा बनी है। कभी यह चर्चा होती थी कि वो दिल्ली को भाते नहीं है वह भी नहीं दिखती उल्टा प्रधानमंत्री के साथ उनकी हालिया लगभग सारी मुलाकातें और महीने में दो बार आने से भी जहां खुद भाजपा कार्यकर्ताओं को बड़ा संदेश गया वहीं प्रशासनिक हल्के को भी समझ आ गया है कि 2023 की कैसी तैयारी करना है।

17 सितंबर और महीने भर के ही अन्दर 12 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मध्यप्रदेश में उपस्थिति बताती है कि मिशन 2023 के लिए मोदी का प्रदेश में सबसे ज्यादा भरोसा किस पर है। 17 सितंबर अपने 72 वें जन्मदिन पर मध्यप्रदेश के कूनो अभ्यारण्य में 8 चीते जिन्हें नामीबिया से लाकर छोड़ना तो वहीं 26 दिन बाद ही धार्मिक नगरी उज्जैन में सुप्रसिध्द बाबा महाकाल लोक का उद्घाटन कर इतना तो साफ कर दिया कि कि भाजपा अगला चुनाव किसके नेतृत्व में या किसे मुखिया बनाकर लड़ेगी। दोनों ही मौकों पर प्रधानमंत्री के सबसे करीब और सबसे ज्यादा वक्त तक कोई दिखा तो वो थे शिवराज सिंह चौहन। रही–सही कसर इस मौके की सामने आई तमाम तस्वीरों ने पूरी कर दी। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं को ही लें तो गलत नहीं होगा क्योंकि आजादी के अमृतकाल में जहां चीतों के पुनर्वास का अलग सा काम हुआ वहीं कहा जाता है कि महाकाल मंदिर जिसका निर्माण द्वापर युग से भी पहले का है तथा इतिहास बताता है कि मंदिर पर कई बार आक्रमण हुए तथा 11वीं सदी में इल्तुतमिश ने नष्ट भी कर दिया जिसे बाद में हिंदू राजाओं ने इसका पुर्ननिर्मित करवाया। उसी महाकाल के महालोक का नया लुक देने का ऐतिहासिक काम अब हुआ। स्वाभाविक है दोनों बड़ी उपलब्धियां है और श्रेय किसको जाता है, सबको पता है। जाहिर है शिवराज सिंह चौहान ने वो रास्ता सुरक्षित कर लिया जिसमें प्रदेश के विकास और समृध्दि के साथ उनकी राजनीतिक धाक भी मायने रखती है।

अभी मध्य प्रदेश का मालवा–निमाड़ सियासी अखाड़ा बना हुआ है। वहीं 15 नवंबर को विन्ध्य में राष्ट्रपति की शहडोल यात्रा के दौरान जनजातीय वर्ग को साधने खातिर बिरसामुण्डा जयंती के मौके पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का मप्र की धरती में पहले आगमन पर विन्ध्य, महाकौशल के 11 जिलों के जनजातीय समुदाय की उपस्थिति और इसी दिन राष्ट्रपति पेसा एक्ट (पंचायत अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) लागू किए जाने के मायने बहुत गहरे हैं। राष्ट्रपति की मौजूदगी में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बेहद अलग व कड़क भाषण सुनने को मिला। पेसा एक्ट की खूबियाँ बताकर इसे जनजाति समुदाय का स्वराज साबित बताना बताता है कि दरअसल कहीं पे निशाना और कहीं पे निगाहें हैं। मध्यप्रदेश में जो भी कुछ राजनीतिक सरगर्मियां है नवंबर 2023 में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर है। 230 सीटों में अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 35 तो वहीं आदिवासी वर्ग के लिए 47 सीटें आरक्षित हैं। मध्यप्रदेश में 84 विधानसभा सीटों पर आदिवासी वोट बैंक का जबरदस्त दखल है। 2018 में मध्यप्रदेश में आदिवासी सीटों के नतीजे बेहद चौंकाने वाले थे। 47 सीटों में भाजपा 16 जीत पाई थी जबकि कांग्रेस ने 30 सीटें जीतीं थीं। सरकार कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की बनीं लेकिन बाद में राजनीतिक जोड़–तोड़, इस्तीफे, दलबदल के चलते भाजपा ने 23 मार्च 2020 को कमल नाथ के स्थान पर न केवल वापसी की बल्कि उप–चुनाव में भी सफलता हासिल की जिससे शिवराज सिंह चौहान की चौथी पारी बरकरार है।

सारा खेल यही साधने का है राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के 23 नवंबर को मध्यप्रदेश पहुंचने के बाद सरगर्मी बढ़ गई है। इसके 3 दिन पहले 20 नवंबर से शिवराज सिंह की टंट्या भील गौरव यात्रा का आगाज हो चुका है जो सभी 89 आदिवासी ब्लॉक जाएगी। दोनों ही यात्राओं का समापन 4 दिसंबर को होगा। गौरव यात्रा इन्दौर में थमेगी तो राहुल की यात्रा 12 दिनों में 386 किमी की मध्य प्रदेश यात्रा केवल बुरहानपुर, खाड़वा, खरगोन, इंदौर, उज्जैन और आगर मालवा जिलों से होकर 4 दिसंबर को यात्रा आगर मालवा जिले से राजस्थान कूच कर जाएगी। यकीनन मध्यप्रदेश से राजनीति की बेहद रोचक तस्वीरें देश को दिखेंगी। जब आप यह पढ़ रहे होंगे तब जहां काँग्रेस का उत्साह राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर चरम पर होगा वहीं उनके साथ उनकी बहन प्रियंका, बहनोई राबर्ट वाड्रा और भांजा रोहन 4 दिनों तक रहकर मध्यप्रदेश में काँग्रेस की राजनीति को एक नए सियासी मुकाम पर ले जाने की दिशा तय करेंगे। ऐसा लगता है कि काँग्रेस ने भी सॉफ्ट हिन्दुत्व का रास्ता चुन लिया है क्योंकि मध्यप्रदेश में प्रवेश के मौके पर राहुल की बढ़ी हुई दाढ़ी और माथे पर पीला तिलक तो इन्दौर विमानतल से निकलते वक्त रावर्ट वाड्रा का महाकाल लिखा टी शर्ट पहनना वहीं प्रियंका गांधी द्वारा कार में अपनी गोद में माता को चुनरी संभाल रखना बड़ा संकेत है। कहने की जरूरत नहीं इसके सियासी मायने क्या हैं? प्रदेश में डेढ़ करोड़ जनजातीय वर्ग को साधने दोनों ही दलों की कवायद तेज है।

शब्दों को कैसे सजा दिया !!

बड़ी ही खुबसूरती से शब्दों को सजाया !!
लफ्ज कुछ और थे मतलब कुछ और बनाया !!

घमंड बहुत हैं उसे आत्मसम्मान का नाम दिया !!
लालच को अपनी जरुरत बता दिया !!

दिखावे को और भी खुबसूरती से सजा दिया !!
गर्व हैं हमे ऐसे बता दिया !!

धोखा दिया और खुद सही साबित कर दिया !!
मजबूरियों के जामा पहना दिया !!

गवन को भी बहुत सुन्दर रुप दिया !!
हक हैं मेरा ऐसे बता दिया !!

हवस को तो सबसे पवित्र रंग से सजा दिया !!
खुद को कृष्ण और राधा का मिलन बता दिया !!

कैसे शब्दों को रंग बिरंगे रंगों से सजा दिया !!
अल्फाज कुछ और थे अर्थ अलग समझा दिया !!

लेखिका
मीना सिंह राठौर
नोएडा उत्तर प्रदेश

सीडीओ ने की जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी श्रीप्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में राईफल क्लब सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में जननी सुरक्षा योजना, मातृत्व मृत्यु दर की समीक्षा, परिवार कल्याण कार्यक्रम, टीकाकरण, 108ध102 एम्बुलेंस की उपलब्धता, आशाध्जेएसवाई भुगतान, क्षय रोग नियंत्रण, कुष्ठ उन्मूलन, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना, आयुष्मान कार्ड, जन्म–मृत्यु पंजीयन, एवं अन्य बिन्दुओ पर विस्तपूर्वक समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान उनहोने जिला स्वास्थ्य समिति के सभी बिन्दुओ की प्रतिदिन मॉनिटरिंग का निर्देश दिया। उन्होने समस्त एमओवाईसी को निर्देश दिया कि वीएचएनडी सार्वजनिक स्थानो पर ही लगायी जाये तथा वहां आशा एवं आगनबाड़ी की उपस्थित अवश्य रहे। उन्होने प्रसव उपरान्त लाभार्थियोंध्आशाओ को दिये जाने वाले जेएसवाई के भुगतान के सम्बन्ध में शत–प्रतिशत भुगतान का निर्देश दिया तथा उन्होने कहा कि जिन–जिन स्वास्थ्य केन्द्रो पर जे एस वाई भुगतान पेन्डिग है उसका तत्काल निस्तारण करवाते हुए भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रधानमंत्री आरोग्य योजनान्तर्गत जनपद में बनाये गये गोल्डेन कार्ड की जानकारी ली तथा प्रत्येक पात्र लाभार्थी परिवार का शत–प्रतिशत गोल्डेन कार्ड जारी करने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि कोई भी पात्र परिवार आयुष्मान कार्ड से वंचित न रहे। बैठक में मुख्यचिकित्साधिकारी डा0 हरगोविन्द सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 उमेश समस्त एम ओ वाई सी एंव अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्ररक्षा का भाव ही वनवासी समाज का मूल स्वभाव है

स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव अर्थात 75 वीं गौरवशाली वर्षगाँठ पर स्वाभाविक ही है हम जनजातीय समाज का भी स्मरण करें। जनजातीय समाज का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अपना व्यापक, विस्तृत व विशाल योगदान रहा है। विदेशी आक्रान्ताओं के विरुद्ध वर्ष 812 से लेकर 1947 तक भारत की अस्मिता के रक्षण हेतु इस समाज के हजारों लाखों यौद्धाओं ने अपना सर्वस्व बलिदान किया है। जनजातीय समाज की आतंरिक सरंचना ही कुछ इस प्रकार की विलक्षण है कि यह सदैव स्वयं को देश की मिट्टी से जुड़ा हुआ पाता है। इस समाज की प्रत्येक पीढ़ी ने केवल जनजातीय परम्पराओं और राज्यों के लिए ही संघर्ष नहीं किया बल्कि वनों से लेकर नगरीय समाज तक प्रत्येक देशज तत्व की विदेशियों से रक्षा का कार्य इन्होने किया है। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव वर्ष में जनजातीय समाज की अद्भुत गौरवशाली सैन्य, सांस्कृतिक, सामाजिक, कला, नाट्य, वास्तु, खाद्धय परंपरा, चित्रकला, शस्त्र विद्या, आपताकाल में कूट शब्दों में संवाद, वनप्रेम, प्रकृति पूजा, पशुप्रेम व आदि जैसे अनेकों अनूठे व विलक्षण गुणों की चर्चा आवश्यक हो जाती है। अग्रेजों के बाद से अब तक पिछले तीन सौ वर्षों से वनवासी बंधू नगरीय समाज की कुदृष्टि का शिकार रहे है। अंग्रेजी शासन के दो सौ वर्षों मे तो जनजातीय समाज जैसे अंग्रेजों की गिद्धदृष्टि के केंद्र मे था। धर्मांतरण की दृष्टि से ब्रिटेन से जितनी भी राजनैतिक, आर्थिक, समाजसेवी संस्थाएं आती थी वे सबसे प्रथम जनजातीय समाज को ही अपना शिकार बनाती थी। होता यह था कि अंग्रेजों को देश मे शासन करने के लिए यहां वहां सतत प्रवास करना होता था। वनों, खनिज–खदानों व अन्य प्राकृतिक संसाधनों का दोहन अंग्रेजो का लक्ष्य था और ये सभी जनजातीय क्षेत्रों मे स्थित थे। अंग्रेजों को यहाँ प्रवास करने होते थे और जंगलों से गुजरना होता था, तब प्रवास मे बहुधा ही उनका संघर्ष इस जनजातीय समाज से होता था। अंग्रेजो व जनजातियों के परस्पर संघर्ष भारत के नगरीय समाज के संघर्षों से कहीं बहुत अधिक पैने, मारक व हानिप्रद सिद्ध होते थे अंग्रेजो के लिए। इन संघर्षो से घबराकर अंग्रेजों ने जनजातीय समाज को अपनी नीतियों का केंद्र बना लिया था। दबाव से, दमन से, बहला फुसलाकर, लालच देकर, येन केन प्रकारेण अंग्रेज जनजातीय समाज को नियंत्रण मे रखना चाहते थे। अंग्रेजों ने इस हेतु न जाने कितने ही हास्पिटल, विद्यालय, महाविद्यालय, सेवा प्रकल्प, रोजगार के साधन जनजातीय समाज को दिये, किंतु, जनजातीय समाज था कि किसी भी प्रकार से अंग्रेजों के वश मे नहीं आया था। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर क्या कारण था कि बेहद साधनहीन, निर्धन व कम से कमतर साधनों से जीवन जीने वाला जनजातीय समाज अंग्रेजो से न तो दबाव मे आता था और न ही उनके बहलावे फुसलावे मे आता था। यह अंग्रेजों ही नहीं अपितु शेष नगरीय भारतीयों के लिए भी आश्चर्यमिश्रित श्रद्धा का विषय था कि वनवासी सतत दो सौ वर्षों तक अंग्रेजों के साथ संघर्ष करते रहे किंतु कभी उनसे दबे नहीं। देश के कोने कोने में जनजातीय बंधू ऐसे बसे हुए थे की उनमें परस्पर कोई संवाद नहीं था। उस कालखंड में संवाद संचार के माध्यम होते भी नहीं थे। समूचे देश में सैंकड़ों किमी दूर दूर बसे वनवासी समाज में केवल एक ही समानता थी की ये सभी अपनी भूमि, संस्कृति, परम्पराओं हेतु नागर समाज से बड़ा व पैना संघर्ष करते रहे। देश के विभिन्न भागों में बसे इन वनवासी समाज के प्रत्येक भाग में विदेशी आक्रान्ताओं के विरुद्ध संघर्ष सदैव ही जागृत दिखाई देता था। यद्दपि इन सतत संघर्षों मे वनवासी समाज ने लाखों बलिदान दिये और वे अपनी भूमि छोड़कर यहां वहां भागने को विवश होते रहे तथापि वे अंग्रेजो के परम लक्ष्य धर्मांतरण से मीलों दूर ही रहे। धर्मांतरण हेतु जिस प्रकार का अत्याचारपूर्ण चरम दबाव अंग्रेजों ने वनवासियों पर बनाया था, जिस प्रकार के करोड़ो रुपयों के स्वास्थ्य शिक्षा प्रकल्प जनजातीय क्षेत्रों मे प्राम्भ किए थे उस हिसाब से स्वतंत्रता तक भारत मे जनजातीय समाज समाप्तप्राय हो जाना चाहिए था। बलिहारी इस समाज की, कि, यह तमाम दबावों के बाद भी अपनी संस्कृति को सुदृढ़ता से थामे रहा। यह एक अध्ययन का विषय है कि जनजातीय समाज की इस जिजीविषा का कारण व ऊर्जा का स्त्रोत क्या था? जनजातीय समाज की जिजीविषा का अशेष स्त्रोत था उनके बड़ादेव, देव परंपरा, पूजा पद्धति, प्रकृति को देव मानने की उनकी अटूट आस्था व सबसे बड़ी बात उनके भगत, भूमका, बड़वे,भोपे आदि। जनजातीय बंधुओं की समाज व्यवस्था भी उनकी इस सुदृढ़ता का बड़ा कारण थी। जिस प्रकार मधुमक्खी के छत्ते मे करोड़ो मधुमक्खियाँ केवल एक रानी मक्खी से नियंत्रित रहती थी उसी प्रकार जनजातीय समाज भी अपने अपने स्थानीय टोले के भगत, भूमका, बड़वे, भोपे के प्रत्यक्ष नियंत्रण मे रहने को ही अपना धर्म समझता था। जिस प्रकार रानी मधुमक्खी अपने झुंड के हितों हेतु अपना सर्वस्व त्यागने हेतु भी तत्पर रहती है। उसी प्रकार जनजातीय समाज के ये भगत भूमका भी अपने बजरे, टोले, ढाने के लिए वैचारिक ढाल की भूमिका मे अटल बने रहते थे। यह भी सत्य ही है कि यदि ये जनजातीय समाज अंग्रेजों के संपूर्ण गुलाम बन जाते तो संभवतः अंग्रेज भारत से आज भी न गए होते। और, यह भी सत्य है कि जनजातीय और वनवासी समाज अंग्रेजों से केवल और केवल अपनी समाज व्यवस्था व देव प्रेम के कारण ही लोहा ले पाया था। यही कारण रहा कि जनजातीय समाज भारत की सामरिक रीढ़ रहा है। नगरीय दृष्टि से देखने पर यह यह एक दीन, हीन, हेय समाज लगता है। दुखद यह है कि इस वनवासी समाज को आज भी दैन्य दृष्टि से ही देखा भी जाता है, किंतु आदिकाल से लेकर आज तक यह भारत का सर्वाधिक आत्मनिर्भर, समृद्ध, सुसंस्कृत, सुशील व श्रेष्ठ समाज रहा है। संघर्षों मे वनवासी समाज ने लाखों बलिदान दिये और वे यहां वहां भागने को विवश होते रहे तथापि वे अंग्रेजो के परम लक्ष्य धर्मांतरण से मीलों दूर ही रहे। धर्मांतरण हेतु जिस प्रकार का चरम दबाव अंग्रेजों ने वनवासियों पर बनाया था जिस प्रकार के करोड़ो रुपयों के स्वास्थय शिक्षा प्रकल्प जनजातीय क्षेत्रों मे प्राम्भ किए थे उस हिसाब से स्वतंत्रता तक भारत मे आरण्यकसमाज को समाप्तप्राय हो जाना चाहिए था। बलिहारी इस समाज की, कि, वह तमाम दबावों के बाद भी अपनी संस्कृति को सुदृढ़ता से थामे रहा। आज भी देश का कथित सभ्य व नागर समाज जनजातीय समाज की इस देव परंपरा के मर्म को नहीं समझ पाया है।

प्रवीण गुगनानी

– लेखक विदेशा मंत्रालय, भारत सरकार में राजभाषा सलाहकार है

25 नवम्बर को सरकार से जवाब मांगने को लखनऊ कूच करेंगे किसान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर।भाकपा (माले) जिला कमेटी की एक दिवसीय बैठक तुलसी सागर लंका कार्यालय पर हुई बैठक में 15 से 20 फरवरी पटना में आयोजित पार्टी के राष्ट्रीय महाधिवेशन की तैयारी तथा 26 नवंबर को किसानों से वादा खिलाफी तथा धोखेबाज सरकार से जवाब मांगने के लखनऊ आयोजित राजभवन मार्च की तैयारी पर प्रमुख रूप से बातचीत हुई। बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा (माले)के जिला सचिव राम प्यारे राम ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने दिल्ली के गाजीपुर सिघू बार्डर पर चले किसान आंदोलन के दौरान किसानों से वादा किया था कि एम् एस पी गारंटी के लिए कानून बनेगा तथा बिजली बिल 20 22 रद्द होगा । आन्दोलनकारी किसानो पर दर्ज मुकदमे वापस लेने रद्द करने का लिखित वादा किया था।लेकिन एक बार फिर किसानों से किए गए वादा खिलाफी कर मोदी सरकार लगातार देश के किसानों के ऊपर किसान विरोधी कारपोरेट परस्त नीतियों को थोप रही हैं। गेहूं आलू की बुवाई का समय लेकिन किसानों को डीएपी नहीं मिल रही साथ ही कीटनाशक दवाओं तथा खाद के दाम 50 गुना बढ़ा दिए गए किसानों को उनकी फसल का लागत मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है इसलिए धोखेबाज सरकार से जवाब मांगने के लिए 25 नवम्बर जिले के सैकड़ों किसान ट्रेनों से लखनऊ प्रस्थान करेंगे।

तथा 26 नवम्बर को किसान राजभवन मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि जिले से पूरे प्रदेश में गरीबों को उजाड़ने का क्रूर अभियान योगी सरकार चला रही है सोनहरिया ,तियरी , भरतपुर समेत दर्जनों गांवों में प्रशासन जबरिया बेदखली के लिए नोटिस भेज रहा है।सोनहरिया गरीब राजभरो को पुलिस प्रशासन की ओर से उजाड़ने का क ई बार जमानियां तहसील प्रशासन कर चुका है जिसकी भाकपा (माले)कड़े शब्दों शब्दों में निन्दा करतीं हैं । उन्होंने गरीबों को जमीन समेत आवास मुहैया कराने तथा जबरिया बेदखली पर रोक लगाने की मांग उठाई, तथा महाधिवेशन की तैयारी को लेकर युद्ध स्तर पर उतरने का आह्वान किया। इसी क्रम में 3 दिसंबर को जमानियां,7 दिसंबर को, करन्डा,4 दिसंबर को सदर 8 दिसम्बर सैदपुर मे ब्लाक स्तरीय कार्यकर्ता बैठक आयोजित कर तैयारी को तेज किया जाएगा। बैठक को नंदकिशोर बिंद, सत्येन्द्र कुमार, राजेश वनवासी, मंजू गोंड, सुमित्रा देवी, मुराली वनवासी, योगेन्द्र भारती ने सम्बोधित किया।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर 109 गर्भवती महिलाओं की हुई जांच, 11 एचआरपी महिलाएं हुई चिन्हित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सुरक्षित मातृत्व दिवस भारत सरकार और स्वास्थ्य विभाग के एक महत्वाकांक्षी योजना है। जिसके माध्यम से गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच एवं उचित प्रबंधन को लेकर प्रत्येक माह के 9 एवम 24 तारीख को आयोजन किया जाता है। जिसके तहत गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहमबाद पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें 109 महिलाओं का जांच एवं 11 एचआरपी महिलाओं को चिन्हित कर उन्हें उचित प्रबंधन की जानकारी दी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मबाद के अधीक्षक डॉ आशीष राय ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का आयोजन प्रत्येक माह के 9 एवम 24 तारीख को जनपद के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित किया जाता है। उसी के क्रम में मोहमदाबाद पर भी आयोजित किया गया है। इस अवसर पर स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाली गर्भवती महिलाओं को उनके स्वास्थ्य को बेहतर रखरखाव और सुरक्षित प्रसव को लेकर स्वास्थ्य केंद्रों पर महिला डॉक्टर के द्वारा जांच एवं परामर्श किया गया। जिसके तहत महिला चिकित्साधिकारी डॉ नीरज कुमार मौर्य के द्वारा109 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई जांच में कुल 11 एचआरपी महिलाएं भी चिन्हित की गई हैं। जिन्हें उचित प्रबंधन के लिए दिशा निर्देश दिए गए हैं। ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक संजीव कुमार ने बताया की स्वास्थ्य केंद्र पर आईसीटीसी कक्ष में एलटी इकराम के द्वारा महिलाओं की एचआईवी, सिफलिश जांच की गई तथा काउंसलर निरा राय के द्वारा सभी को सुरक्षित प्रसव को लेकर काउंसलिंग किया गया। एलए ओमप्रकाश के द्वारा हीमोग्लोबिन जांच, ब्लड गुप , एल्बुमिन, प्रोटीन इत्यादि जांच की गई। स्टाफ नर्स वंदना मसीह द्वारा सभी को प्रसव से पूर्व उन्हें किन बातों की सावधानी बरतनी चाहिए।

भावनींनन्दनयति जी ने की अमृत वचनों की रसवर्षा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कटघरा सिद्धपीठ हथियाराम मठ के महंथ महा मंडलेश्वर श्री भवानी नन्दन यति जी महाराज अपने दो दिवसीय प्रवास के अंतर्गत बुधवार सायंकाल से श्री रत्नदेव नव ज्योति बालिका इंटर कॉलेज, बरौली, बरहट के प्रांगण मे ष्रामहितष कार्यक्रम अंतर्गत भावपूर्ण आदर्श अमृत वचनों की रसवर्षा की। उन्होंने धर्म और मानव को एक दूसरे का पूरक बताया और अपने अमृत वर्षा मे कहा कि जो देता है वही देवता है, भगवान प्रकृति के पंचतत्व भूमि, तेज, आकाश, वायु, नीर के स्रोत है जिससे जीवन है ।उन्होंने कहा कि शंख और तुलसी की सेवा करने वाली महिला कभी भी दुखी नही रहती उसे कोई दुखः और विपत्ति स्पर्श नही कर सकता। इस अवसर पर दूसरे दिन वृहस्पतिवार को महंथ महामंडलेश्वर श्री भवानी नन्दन यती जी महाराज से विद्यालय प्रांगण मे ही पचासों लोगों ने गुरु शिष्य परम्परा का पालन करते हुए विद्वान आचार्य गणों के मंत्र उच्चारण के बीच महाराज जी से गुरु दीक्षा ली। कार्यक्रम मे दो दिनो तक बरहट और बरौली के हजारों लोगों ने भाग लेकर गुरु वाणी का अमृतरस पान किया और प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह,अजीत सिंह,अखिलेश सिंह,आनन्द मौर्य, अनिल सिंह, उपेंद्र सिंह, नरेन्द्र सिंह,संतोष सिंह, प्रवीण सिंह,दयाशंकर पांडेय, शशिकान्त शर्मा, अच्छे लाल गुप्ता, अजीत सिंह,तारा आदि ग्रामीण जनो ने भाग लिया।

रौजा ब्रिज के नीचे 8 किलो 260 ग्राम अवैध गांजा सहित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर।पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेशानुसार जनपद गाजीपुर में अपराध एवं अपराधियों व अवैध तस्करो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह थाना कोतवाली गाजीपुर की टीम व स्वाट टीम प्रभारी उप निरीक्षक सुनील तिवारी मय हमराहियान के संयुक्त टीम द्वारा ब्रिज के नीचे गाजीपुर पर चक्रमण पर थे कि मुखबीर द्वारा सूचना मिली कि 01 व्यक्ति रौजा ब्रिज के नीचे एक ब्यक्ति कपडे के बडे झोले मे गांजा लिये खडा है, जो किसी को देने के लिये इंतजार कर रहा है इस सूचना पर पुलिस बल व मुखबीर को लेकर ब्रिज के नीचे पहले छुपकर खडे व्यक्ति को पकड़ लिया गया, पकड़े गये व्यक्ति का नाम धर्मेन्द्र कुमार माली उर्फ रंजन माली पुत्र स्व0 शंकर माली निवासी ब्रम्हपुर थाना ब्रम्हपुर जनपद बक्सर बिहार बताया । तथा अभियुक्त के कब्जे से 08 किलो 260 ग्राम अवैध गांजा नाजायज बरामद किया गया । उक्त घटना के संबन्ध में अभियुक्त के विरूद्ध थाना स्थानीय पर अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह, थाना कोतवाली गाजीपुर, अपराध निरीक्षक सुरेन्द्रनाथ सिंह, थाना कोतवाली, उप निरीक्षक भूपेन्द्र कुमार निषाद, चौकी प्रभारी विशेश्वरगंज थाना कोतवाली, उप निरीक्षक सुनील तिवारी, स्वाट टीम जनपद गाजीपुर, हेड कांस्टेबल रमेश तिवारी, थाना कोतवाली, हेड कांस्टेबल शैलेन्द्र यादव, स्वाट टीम जनपद गाजीपुर, कांस्टेबल रविश मौर्या, थाना कोतवाली, कांस्टेबल भाई लाल यादव, थाना कोतवाली, कांस्टेबल सदानन्द यादव, थाना कोतवाली, कांस्टेबल आशुतोष सिंह, स्वाट टीम, कांस्टेबल प्रमोद कुमार, स्वाट टीम, कांस्टेबल संजय प्रसाद, सर्विलांस सेल , कांस्टेबल राकेश सोनकर, स्वाट टीम जनपद गाजीपुर शामिल रहे ।

हिंदू राष्ट्र ऑनलाइन वोटिंग अभियान का शुभारंभ – डॉ गीता रानी

प्रखर पूर्वान्चल चित्रकूट। विश्व हिंदू महासंघ का प्रांतीय अधिवेशन श्री रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट में उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति की अध्यक्षता में हुआ अधिवेशन का पहला प्रस्ताव भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना है। डॉ गीता रानी ने बताया कि उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के निर्देशानुसार अधिवेशन के पहले ही दिन हिंदू राष्ट्र ऑनलाइन वोटिंग अभियान का शुभारंभ हुआ हिंदू राष्ट्र घोषित करने के प्रस्ताव को उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ,उत्तर प्रदेश अध्यक्षा मातृशक्ति गंगा धाकड़ , उत्तर प्रदेश अध्यक्ष धर्माचार्य ,डॉ हरिओम पाठक उत्तर प्रदेश अध्यक्ष गोरक्ष चौधरी , योगेंद्र सिंह उत्तर प्रदेश मंत्री ओमप्रकाश सिंह संभाग प्रभारी दिनेश चंद्र पांडेय मीडिया उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री सिंह जिला अध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह जिलाध्यक्ष मातृशक्ति डॉ गीता रानी ,जिलाध्यक्ष डॉ सुनीता श्रीवास्तव ,सौम्यक सोनी, प्रियंका सिंह समेत हजारों सदस्यों ने भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने केप्रस्ताव को सहमति देकर पारित किया।

पाली ब्लॉक मे नहरों की सफाई का कार्य हुआ शुरू

प्रखर गोरखपुर। पाली ब्लॉक के नेवास बखीरा कुटिया में बना नहर विभाग का सफाई अभियान शुरू हो गया। डी के मल्ल ने बताया कि किसानों के सिंचाई के सुविधा हेतु सभी नहरों का कार्य शुरू कर दिया गया है जिससे आने वाले दिनों में गेहूं की सिंचाई का कार्य आसानी से समय–समय पर हो सके किसी प्रकार की असुविधा न हो सके। सहजनवा विधायक प्रदीप शुक्ला के सौजन्य से यह कार्य किसानों की हितैषी के लिए शुरू करने का निर्णय लिया गया है जिससे सभी किसान समय से नहरों से गेहूं की सिंचाई शुरू हो सके ।ठेकेदार राजेश त्रिपाठी अनूप त्रिपाठी विजय त्रिपाठी योगदान बहुत ही बढ़िया ढंग से निर्वाह हो रहा है शिवमूरत के देखरेख नहरों का काम चल रहा है।

एस एल डब्ल्यू एम योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत में डस्टबिन लगना हुआ प्रारंभ –प्रमोद पाठक

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर वाराणसी स्थानीय विकासखंड चोलापुर के ग्राम मुनारी में ग्राम पंचायत सचिवालय से डस्टबिन लगना प्रारंभ कर दिया गया है वही एडीओ पंचायत प्रमोद पाठक ने बताया कि यसयलडब्ल्यूएम योजना के अंतर्गत डस्टबिन ग्राम पंचायत में लगाया जा रहा है जिससे ग्राम पंचायत के लोग कचरा को इधर–उधर फेंकते थे जिसे गंदगी होती थी अब लोग डस्टबिन में डाल देंगे स ग्राम पंचायत सचिव आनंद शील अंबेडकर ने बताया कि ग्राम पंचायत में जहां–जहां आवश्यकता होगी वहां पर डस्टबिन लगाया जाएगा जिसमें सूखा कचरा अलग डिब्बे में तथा गीला कचरा अलग डिब्बे में रखेंगे जिससे लोग कचरा को इधर–उधर फेंक देते थे अब उसे डस्टबिन में डाल देंगे जिससे गंदगी फैलने की संभावना कम होगी वही समय–समय पर डस्टबिन का सफाई भी की जाएगी ग्राम प्रधान राजेश राम ने बताया कि डस्टबिन लगाया जाएगा जिससे गांव के लोग कचरा को इधर–उधर फेकते थे गंदगी फैलती थी अब लोग डस्टबिन में डाल देंगे जिससे गांव में गंदगी भी कम होगी वहीं मौके पर बच्चा राम ,सचिन कुमार ,लक्ष्मण ,संजीव कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

खेलकूद में स्थान प्राप्त प्रतिभाएं हुई सम्मानित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के उच्च प्राथमिक विद्यालय रमईपट्टी के प्रांगण में अम्बेडकर समिति के बैनर तले प्रतिभावान बच्चों का सम्मान किया गया। गत दिनों सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा जनपदीय एवं मंडलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता तथा ग्राम स्तर पर खेलो बनारस प्रतियोगिता में विशेष प्रतिभा दिखाने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। इस दौरान समिति के धर्मेंद्र पटेल, शिक्षक प्रवीण सिंह, कमलेश कुमार पाण्डेय व शिक्षामित्र प्रमोद , धर्मराज सिंह, सुजीत पांडेय, निर्मला देवी व प्रतिभा सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

निशुल्क नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

प्रखर गोरखपुर। फिल्म अभिनेता एवं जनसेवक सीपी भट्ट के द्वारा आज ग्राम पंचायत मिनवा में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया ।इस आयोजन में सैकड़ों मरीजों ने निशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन दूरबीन विधि से करा कर लेंस लगवाया। सीपी भट्ट ने बताया कि इस तरह का आयोजन अभी पूरे सहजनवा विधानसभा क्षेत्र एवं गोरखपुर जनपद में कराते रहेंगे ।जिस तरह सेअभिनव से करोड़ों दर्शकों का दिल जीता है उसी तरह से निशुल्क नेत्र शिविर लगवा कर भी जनता का दिल जीतने का प्रयास करता रहूंगा। निशुल्क नेत्र शिविर आयोजन से तमाम जनता का सेवा करने का अवसर मिल रहा है और उनसे आशीर्वाद भी मिल रहा है। राज आई हॉस्पिटल के तत्वधान में डॉक्टर दीपू प्रजापति के द्वारा इस निशुल्क नेत्र शिविर के आयोजन को सफल बनाया जा रहा है। इस समाज में अंधता को दूर करने के अभियान में एक अमूल्य योगदान दे रहे हैं। इस शिविर के संयोजक पंकज सैनी मिनवा , प्रबंधक दिनेश जयसवाल ग्राम प्रधान मिनवा के द्वारा व्यवस्था की गई है ।इस शिविर के सहयोगी रामअवतार प्रजापति ,मुकेश यादव ,जनार्दन वर्मा ,आनंद कुमार यादव सुनील कुमार धर्मेंद्र सैनी अंकित यादव डॉक्टर सूरज गौड अंकित दुबे लाल वचन बाबूलाल पवन यादव गुड्डू यादव कृष्णा पांडे लाल बिहारी यादव नंदू प्रसाद गुप्ता प्रमोद यादव आदि तमाम लोग रहे हैं।

भव्य कलश यात्रा के साथ ही श्री विष्णु महायज्ञ शुरू

प्रखर सहजनवा गोरखपुर। पिपरौली ब्लाक के नगवा गांव स्थित बामती मंदिर परिसर में गुरुवार को आयोजित नौ दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कथावाचक रंगमकृष्ण जी व पंव कविराज नन्द जी के सानिध्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। गाजे–बाजे के साथ 501 कन्याएं मिट्टी कलश में जल लेकर यज्ञ स्थल तक पहुंचे। कालेसर स्थित राप्ती नदी में आचार्य रसराज शरण ने विधिवत घाट पूजन व वैदिक मंत्रोच्चारण के पश्चात कलश में जल संग्रह किया गया। इस शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने धर्म की जय हो, अर्धम का नाश हो आदि जयकारे व हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, हरे राम आदि कीर्तन करते महायज्ञ स्थल तक पहुंचे। पारंपरिक वाद्ययंत्र व मंगलध्वनि के गूंजते रहने से आसपास का वातावरण भी भक्तिमय हो उठा। महायज्ञ स्थल तक पहुंचने के मार्ग में कन्याओं के अलावा आसपास दर्जनों गांव के भारी संख्या में महिला–पुरुष काफी संख्या में शामिल हुए। कलश यात्रा में शामिल कन्याओं के लिए आयोजक मंडली की ओर से पेयजल व प्रसाद की व्यवस्था की गई। महायज्ञ आयोजन से नगवा, ककना, खानिमपुर, तेनुआ, जैतपुर, कुरमौल, देईपार, नंदापार सहित आसपास के दर्जनों गांवों में भक्ति व उत्साह का माहौल बना हुआ है। इस कार्यक्रम का सफल संचालन के लिए महायज्ञ कमेटी के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा है।

ब्यापारी नेता का निधन, बन्द रहे बाजार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा (पुरानी बाजार) निवासी ब्यापारी नेता मृत्युजंय मोदनवाल 46 वर्ष की गुरुवार को सुबह डेंगू के चलते मौत हो गई। व्यापारी नेता के निधन पर पुरानी बाजार में बंदी दिखी। ब्यापारी नेता मृत्युजंय मोदनवाल गत दिनों 8 दिनों से सिंधोरा से लगायत शहर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज कराया। डेंगू से रोग की शुरुआत हुई और अंत मे लीवर में खराबी व प्लेटलेट्स की कमी के चलते मौत हो गई। उनके छोटे भाई धनंजय मोदनवाल ने बताया कि भोजूबीर स्थित एक अस्पताल में सुबह निधन हो गया। सिंधोरा बाजार में सुबह 12 बजे निकली शव यात्रा में दर्जनों गणमान्य लोग शामिल हुए। मुखाग्नि उनके एकलौते पुत्र मिथलेश ने दी।

समाजसेवी कमलाकांत का निधन

प्रखर पिण्डरा वाराणसी। गाँव में समाजसेवा और गरीबो के मदद व सेवा में सदैव तत्पर रहने वाले कमलाकांत दूबे ऊर्फ गल्लू (80 वर्ष) का गुरुवार को ह्रदयगति रूकने से मौत हो गई। यूपीएसआईडीसी एग्रो पार्क के मजदूरो से लेकर गाँव गरीबो के आवाज बनकर उनके लिए लड़ते रहते थे। गाँव के पंचायत मे भी इनकी अहम भूमिका रहती थी। इनके निधन से गाँव मे शोक की लहर दिखी । इनके शवयात्रा में सैकड़ो ग्रामीण शामिल हुए। इनका अंतिम संस्कार मणिकर्णिका घाट पर हुई।

डीएम ने चौकिया मंडी स्थित धान क्रय केंद्र का किया निरीक्षण

प्रखर जौनपुर । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा चौकिया मंडी स्थित धान क्रय केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया कि आजकल 51 कुंटल 20 किलो धान की खरीद की गई। उन्होंने पूर्व में धान विक्रेताओं को फोन कर पूछा कि उनका भुगतान हुआ है कि नहीं जिस पर किसान लवटनराम एवं रमेश चंद्र मौर्य द्वारा बताया गया कि समय से भुगतान हो गया है। जिलाधिकारी द्वारा स्वयं की उपस्थिति में धान का वजन कराते हुए तौल के सम्बन्ध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने डिप्टी आरएमओं को निर्देशित किया कि धान का नियमित रूपर उठान कराया जायें। उन्हाने क्रय केन्द्र प्रभारी असजद अंसारी को निर्देशित किया कि किसानो के लिए बैठने एवं पेयजल की समुचित व्यस्था रहें उन्हे किसी भी प्रकार की समस्या न हाने पाये।

जाम लगने पर सीओ हुए नाराज, कांस्टेबल को फटकारा

प्रखर खेतासराय(जौनपुर) । बुधवार की शाम नगर में जाम को देख डीएसपी शाहगंज चोब सिंह पुलिस कांस्टेबल पर भड़क उठे । जिस से वहाँ मौजूद पुलिस कर्मियों में खलबली मच गई । सीओ का तेवर देख एसओ भी खुद यातायात हटाने में लग गए । दरअसल बुधवार की शाम लगभग कस्बे में जाम लग गया । शाहगंज से आ रहे सीओ भी ठोड़ी देर के लिए जाम में फंस गए । किसी तरह उनका ड्राइवर उन्हें जाम से निकाला तो मुख्य चौराहे पर तैनात एक सिपाही पर तिलमिला उठे । जिस से अन्य सिपाहियों की गिग्घी बंध गई । एसओ भी कुछ ही देर में पुलिस बूथ पर पहुँच गए । वह खुद नजाकत को भांप यातायात खुद हटाते दिखे । पुलिस अफसर का सार्वजनिक स्थल पर गुस्सा लोगों में चर्चा का विषय बना रहा ।

पिपरौली ब्लॉक के 26 गांव होंगे सीसी कैमरे की नजर मे

प्रखर सहजनवा गोरखपुर ।आई जी जोन अखिल कुमार द्वारा ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा के लिए एक अभिनव प्रयोग किया जा रहा है।ग्राम प्रधानों के सहयोग से गावों में सार्वजनिक स्थानों पर सीसी कैमरे लगवाये जा रहे हैं।सीसी कैमरे लग जाने से गावों में अपराधिक मामलों में कमी तो आयेगी ही,साथ ही पुलिस अराजकतत्वो की पहचान भी आसानी से कर लेगी। आई जी जोन अखिल कुमार के दिशा निर्देश में पिपरौली ब्लॉक के 26 गावों का चयन किया गया है।इन 26 गावों के 35 सार्वजनिक स्थानों पर ग्राम पंचायत द्वारा जल्द ही सीसी कैमरे लगवाये जाएंगे।एडीओ पंचायत अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि स्थान चयनित हो गए हैं।इनका स्टीमेट भी बन गया है जल्द ही चिन्हित स्थानों पर सीसी कैमरे लग जाएंगे।

टीडी कालेज में पकड़े गए दो बाहरी छात्र

प्रखर जौनपुर। तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह के निर्देशन एवं संयोजन मे महाविद्यालय मुख्य गेट से लेकर महाविद्यालय कैंपस में सघन तलाशी अभियान चलाया गया, प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह ने कहा कि महाविद्यालय प्रांगण में निर्धारित गणवेश मे ही छात्र आये। निर्धारित गणवेश मे न होने पर महाविद्यालय मे प्रवेश पूर्ण वर्जित किया गया है, प्राचार्य ने कहा महाविद्यालय मे प्रवेशित सभी छात्र, छात्राओ के अभिभावकों से अनुरोध किया है, कि वे अपने पाल्य को महाविद्यालय के निर्धारित गणवेश में ही भेजें, जिससे अवांछित तत्वों की पहचान करके उन्हें पुलिस के हवाले किया जा सके। प्राचार्य ने कहा कि ऐसे बाहरी छात्रों की एक सूची बनाई जा रही है, जो आए दिन महाविद्यालय मे समस्या पैदा करते है। आज महाविद्यालय कैंपस में साइंस बिल्डिंग में अरविंद यादव एवं एग्रीकल्चर बिल्डिंग में मुकेश सिंह नाम के दो लड़कों को पकड़ा गया और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया। प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह ने कहा की महाविद्यालय मे विद्यार्थी अपने साथ शुल्क रसीद एवं परिचय पत्र अवश्य लाएं। महाविद्यालय में इस समय स्नातक प्रथम सेमेस्टर से लेकर के स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की समस्त कक्षाएं व्यवस्थित तरीके से संचालित हो रही हैं, इस समय विश्विद्यालय की बैक पेपर, श्रेणी सुधार, और मौखिकी परीक्षाएं भी चल रही है। सघन तलाशी अभियान में प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह प्रोफेसर राजीव रतन सिंह डॉ. हरिओम त्रिपाठी, डॉक्टर जय प्रकाश सिंह डॉ. विपिन कुमार सिंह डॉक्टर शैलेंद्र सिंह डॉ देवेंद्र सिंह डॉक्टर अवनीश कुमार सिंह एवं चौकी प्रभारी टीडी कॉलेज उपस्थित रहे।

खाद की किल्लत से कांग्रेसियों ने राज्यपाल को सम्बोधित दिया ज्ञापन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। यूरिया की किल्लत से परेशान किसानों के लिए आज जिला कांग्रेस कमेटी ने जिलाध्यक्ष सुनील राम की अध्यक्षता में स्थानीय सरजू पांडेय पार्क में धरना प्रदर्शन कर राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी गाजीपुर के माध्यम से सरकार को भेजा है, कांग्रेस जनों ने जिलाधिकारी की गैर मौजूदगी में उपजिलाधिकारी सदर प्रतिभा मिश्र को उक्त सम्बोधित पत्रक सौंपा। बता दें कि उत्तर प्रदेश में इस समय किसान सरकार की नीतियों से तो परेशान थे ही ऐसे में रवि की फसल बोवाई में यूरिया और डीएपी की किल्लत ने उनपर दोहरी मार कर दी है, ऐसे कांग्रेस पार्टी ने शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर आज अन्नदाताओं को तत्काल प्रभाव से सम्बंधित उर्वरक उपलब्ध कराने की मांग की है, जिससे अन्नदाता समय से अपनी खेती कर सके। अगर जल्द ही उर्वरक की उपलब्धता किसानों को नहीं कि गई तो कॉग्रेस के लोग सड़क से सदन तक इस लड़ाई को लड़ने का कार्य करेंगे। धरना प्रदर्शन करके ज्ञापन देने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष सुनील राम ने कहा कि सूबे के मुख्यमंत्री जी को खाद की किल्लत की जानकारी के बावजूद अभीतक किसानों के खाद सप्लाई के लिए कोई ठोस करवाई नहीं की गई है, जबकि जनपद गाजीपुर में ज्यादातर लोग गांवों में खेती किसानी करके ही आजीविका चला रहे हैं ऐसे अगर खाद समय से नहीं मिलेगी तो रवि की फसल का लाभ किसान नहीं ले पाएंगे,इस अवसर पर वरिष्ठ कोंग्रेसी पीसीसी सदस्य श्री रवि कांत राय ने कहा कि रवि की फसलों के लिए जनपद में जो उर्वरकों के सप्लाई का निर्धारित लक्ष्य है अभी तक सरकार और संबंधित विभाग काफी पीछे है सहकारी समितियों पर सन्नाटा पसरा हुआ है, अगर जल्द ही किसानों की इस समस्या का निदान नहीं हुआ तो किसानों के पक्ष में कांग्रेस जबरदस्त आंदोलन करेगी। पत्रक देने वालों में प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य अजय कुमार श्रीवास्तव , ज्ञान प्रकाश सिंह मुन्ना, सुनील साहू ,आशुतोष गुप्ता, महबूब निशा, मुसाफिर बिंद,सुमन चौबे एवं दिव्यांशु पांडे, सुधांशु त्रिपाठी ,विभूति राम , संदीप विश्वकर्मा,आदिल अख्तर, जावेद अहमद , रईस अहमद, मनीष कुमार राय, राजेश गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार, ओम प्रकाश पांडे, कैलाशपति कुशवाहा, ओजस साहू ,अवधेश साहू ,अनुराग पांडे ,फैज उल हक अंसारी, सम्मू सलाउद्दीन, मोइनुद्दीन, सतीश रावत आदि लोग उपस्थित रहे।

विवाहिता द्वारा आत्महत्या मामले मे बुआ गिरफ्तार

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के अजगरा चौकी अंतर्गत मल्लेपुर(अजगरा) ग्राम निवासी ने विवाहिता ने साड़ी का फंदा बनाकर मंगलवार शाम अपने कमरे में फांसी लगाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर ली थी। जानकारी के अनुसार जौनपुर जनपद के देवकली तकिया थाना केराकत निवासिनी रेनू देवी (26 वर्ष) का विवाह 06 वर्ष पूर्व मल्लेपुर(अजगरा) ग्राम निवासी रामकिशुन विश्वकर्मा के संग हुआ था। मंगलवार देर शाम रेनू ने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर साड़ी के सहारे फांसी लगा ली थी। मृतका के कोई भी संतान न होने के कारण मृतका के पति की बुआ एवं ससुराल पक्ष के लोग तानाकशी करते थे तथा घटना के पहले भी विवाद हुआ था। मामले में मृतका के पिता बबलू विश्वकर्मा की तहरीर पर मृतका के पति की बुआ राजपति देवी पत्नी बुधराम के विरुद्ध पुलिस ने आईपीसी की धारा 306 के तहत मुकदमा दर्ज कर बुधवार को न्यायालय भेज दिया।

नवागत थानाध्यक्ष संजय मिश्र ने सम्भाला खजनी थाने का कार्यभार

प्रखर गोरखपुर। खजनी थाने का कार्यभार नवागत थानाध्यक्ष संजय मिश्र ने बिधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया है ।इसके पूर्व थानाध्यक्ष पद पर राजघाट तैनात थे ।श्री मिश्र 2012 बैच के दरोगा है ।मूल रूप से सिद्धार्थनगर जनपद के निवासी है ।इस जनपद में राजघाट झंगहा में थानाध्यक्ष के पद पर कार्य कर चूके है इसके पूर्व कुशीनगर जनपद में विभिन्न स्थानों पर थाना अध्यक्ष रह चुके हैं बुधवार को पद भार ग्रहण करने के बाद एक विशेष बार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि शासन के दिशा निर्देशों का पालन होगा ।पीड़ितों के लिए हमेशा दरवाजा खुला रहेगा । विधिसम्मत पूर्ण न्याय दिलाने का भरपूर प्रयास किया जाएगा ।क्षेत्र में अमन शांति बहाल रखना मेरी पहली प्राथमिकता होगी ।गुंडा अपराधियो के प्रति सख्त कार्यवाही की जाएगी ।

बाउंड्री वॉल गिराने की दी धमकी पीड़ित ने लगाई पुलिस अधीक्षक से गुहार

प्रखर रामपुर जौनपुर। रामपुर महेंद्र पाठक मुंबई शहर में थाना क्षेत्र के असवां गांव सपरिवार रहते हैं इनका निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस इनके ही पाटीदारों से अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आबादी की जमीन को लेकर जान माल की रक्षा की गुहार विवाद पिछले काफी समय लगाई है, उक्त गांव निवासी से चल रहा है, इसी आबादी की जमीन को लेकर न्यायालय में मुकदमा भी बिचाराधीन है पीड़ित का आरोप है की विपक्षी शातिर व गोलबंद किस्म का व्यक्ति हैं जो उनके जमीन पर जबरन कब्जा करना चाहता हैं पीड़ित ने आरोप लगाया है कि पड़ोसी सभाजीत पाठक उनके बाउंड्री वाल को गिरा कर उनके जमीन पर जबरन कब्जा करना चाह रहा हैं इस संबंध में थानाध्यक्ष रामपुर दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया की जानकारी हुई है उचित वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

जिले में खुलेंगे चार और नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

करीब दो लाख की आबादी को घर के नजदीक मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

प्रखर कुशीनगर। जनपद में चार और नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खुलेंगे। इस दिशा में कवायद शुरू कर दिया गया है। चारों पीएचसी खुल जाने के बाद करीब दो लाख की आबादी को घर के नजदीक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरडी कुशवाहा ने बताया कि अभी तक जिले में मात्र एक नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पडरौना नगर के गायत्रीपुरम में संचालित है। प्रत्येक नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एक एमबीबीएस चिकित्सक, दो स्टॉफ नर्स, एक लैब टेक्नीशियन, एक वार्ड ब्वाय तथा पांच एएनएम तैनात की जाएंगी। प्रति दस हजार की आबादी पर एक एएनएम तथा दो हजार की आबादी पर एक नगरीय आशा कार्यकर्ता रखी जाएंगी।

यहां खुलेंगे चारों नगरीय पीएचसी

शहरी स्वास्थ्य मिशन के समन्वयक गंगेश कुमार ने बताया कि जिले में जो चार नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खुलने हैं, उनमें से दो पडरौना नगर में ,एक कसया तथा एक हाटा में खोले जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभी पडरौना नगर के गायत्रीपुरम में पहले से सक्रिय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी जातीं हैं। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पडरौना से कुल 25 आशा कार्यकर्ता जुड़ी हैं, जिनमें से 12 मलिन बस्ती तथा 13 सामान्य बस्ती में सेवाएं देतीं हैं।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मिलने वाली सेवाएं

–बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी)
–परिवार नियोजन की सेवाएं
–एंटी नेटल केयर (एएनसी)
–प्रसव की सुविधा
–सामान्य पैथालॉजी जांच
–टेली मेडिसिन सेवाएं
–औषधि वितरण
–आरएमएनसीएच़ए सम्बंधी सेवाएं
–संचारी एवं गैर संचारी रोग सम्बंधी सेवाएं
–अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रम सम्बंधी सेवाएं

केंद्र की आशा कार्यकर्ता देतीं हैं योगदान

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पडरौना से जुड़ीं गरुण वार्ड की आशा कार्यकर्ता बीनू दुबे(41) ने बताया कि वह गर्भवती और बच्चों का टीकाकरण करातीं हैं। ड्यू लिस्ट तैयार करतीं हैं। संचारी रोग नियंत्रण माह और दस्तक पखवाड़े में सर्वे करतीं हैं। प्रसव कराने के लिए गर्भवती को नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पडरौना ले जातीं है। वहां से रेफर होने के बाद गर्भवती के साथ जिला अस्पताल भी जातीं हैं। परिवार नियोजन की सामग्री और टीबी की दवा भी लोगों को उपलब्ध कराती हैं। पल्स पोलियो तथा फाइलेरिया अभियान में भी सहयोग करती हैं।

केंद्र की आशा कार्यकर्ता देतीं

अंकीबाई घमंडीराम गोवनी ट्रस्ट के द्वारा कैंसर स्क्रिनिंग एवं महिला स्वास्थ्य परिक्षण का आयोजन हुआ

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर में अंकीबाई घमंडीराम गोवनी ट्रस्ट के द्वारा आज दिनांक 23ह11ह2022 को दानगंज स्थित बाबा डोमनदेव महाविद्यालय में चिकित्सा शिविर लगाया गया जो कि महिलाओं को लिए कैंसर से बचाव हेतु जागरुक किया गया एवं मुम्बई के मशहूर डॉक्टरो के टीम द्वारा स्वास्थ्य सम्बन्धी परीक्षण कीया गया। जिसमें मुख्य ट्रस्टी निदर्शना गोवनी एवं रवि शर्मा की मुख्य अध्यक्षता और कार्यक्रम की प्रबंधकता करते अमितेन्द्र कुमार राय एवं उनके पुत्र लक्ष्मीकान्त राय सहयोगी आनन्द कुमार सिंह, कौशल सिंह व्यवस्थापक डॉ. मिथलेश बहादुर सिंह के द्वारा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि अम्बरिश सिंह भोला (मंडल प्रभारी हिन्दू युवा वाहिनी) जिलाध्यक्ष आशुतोष सिंह आशु(हिन्दु युवा वाहनी) भाजपा चोलापुर मण्डल अध्यक्ष श्रीमान विनोद सिंह और राहुल जी खण्ड प्रचारक चोलापुर एवं मंगल जी (प्रचारक)भी उपस्थित रहे।

दिव्यांगता अभिशाप नहीं है इसे प्रमाणित किया है ओमेगा प्लस हॉस्पिटल के डॉक्टर कर्मराज सिंह ने

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दिव्यांगता अभिशाप नहीं है इसे प्रमाणित किया है ओमेगा प्लस हॉस्पिटल के डायरेक्टर एवं वाराणसी ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के सचिव डॉक्टर कर्मराज सिंह एवं उनकी पूरी टीम ने। ओमेगा प्लस हॉस्पिटल के डायरेक्टर एवं वाराणसी ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के सचिव डॉ. कर्म राज सिंह ने दिव्यांगता सल्य की एक ऐसी मुहिम छेड़ी है जिसको लेकर समाज में लोग विकलांगता को एक अभिशाप मानते हैं ऐसे में ओमेगा प्लस हॉस्पिटल के डायरेक्टर ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. कर्मराज सिंह ने झारखंड के पापुर जिले के रहने वाले इमाजुद्दीन सेख की पुत्री का इलाज कर समाज को आईना दिखाने का काम किया है डॉक्टर कर्मराज सिंह को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

दलित युवक को मनबढ़ों ने पीटा, रुपए छीनने का आरोप

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के अजगरा चौकी अंतर्गत बेला तिराहे के समीप मंगलवार रात्रि बाइक में पेट्रोल भरा कर घर वापस लौट रहे दलित युवक को घेराबंदी कर मनबढ़ों ने पीट दिया। आरोप है कि मारपीट के दौरान युवक की जेब में रखे हुए रुपए भी छीन लिए। जानकारी के अनुसार कटारी ग्राम निवासी राहुल कुमार मंगलवार रात्रि बेला तिराहे के समीप स्थित पेट्रोल पंप से जैसे ही बाइक में पेट्रोल भराकर घर की तरफ चला, मौके पर मौजूद दो मनबढ़ युवकों ने उसे रोककर मारपीट घायल कर दिया। राहुल का आरोप है कि दोनों ने उसकी जेब से 06 हजार रूपये भी छीन लिए तथा गाली–गलौज देते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। बताने के अनुसार घटनास्थल के समीप पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज में मारपीट की उक्त घटना रिकार्ड है। पीड़ित ने चोलापुर थाने पर तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की।

संकुल स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

प्रखर मुफ्तीगंज, जौनपुर। मुफ्तीगंज क्षेत्र के कंपोजिट स्थानीय विकास खंड स्कूल देवकली में संकुल स्तरीय मासिक शिक्षक बैठक का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में किया गया । बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी नीरज श्रीवास्तव द्वारा सभी विद्यालयों को निपुण विद्यालय बनाने हेतु प्रेरित किया गया ।इस अवसर पर शिक्षक संकुल कमलेश खटवानी द्वारा प्रतिभागियों के साथ निपुण भारत कार्यक्रम,शिक्षण योजना,शिक्षक डायरी,प्रिंट रिच वातावरण, दीक्षा एप्प, निपुण विद्यालय की कार्ययोजना समेत अन्य बिन्दुओ पर चर्चा की गई । बैठक में धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव, मो.शाहिद, विनय कुमार पाल,सर्वेश कुमार, पंकज चौहान,आशीष कुमार सिंह ,उदय कुमार प्रजापति, कमलेश यादव ,रीना, प्रतिभा, सविता, सुमन भारती समेत अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं